Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–7

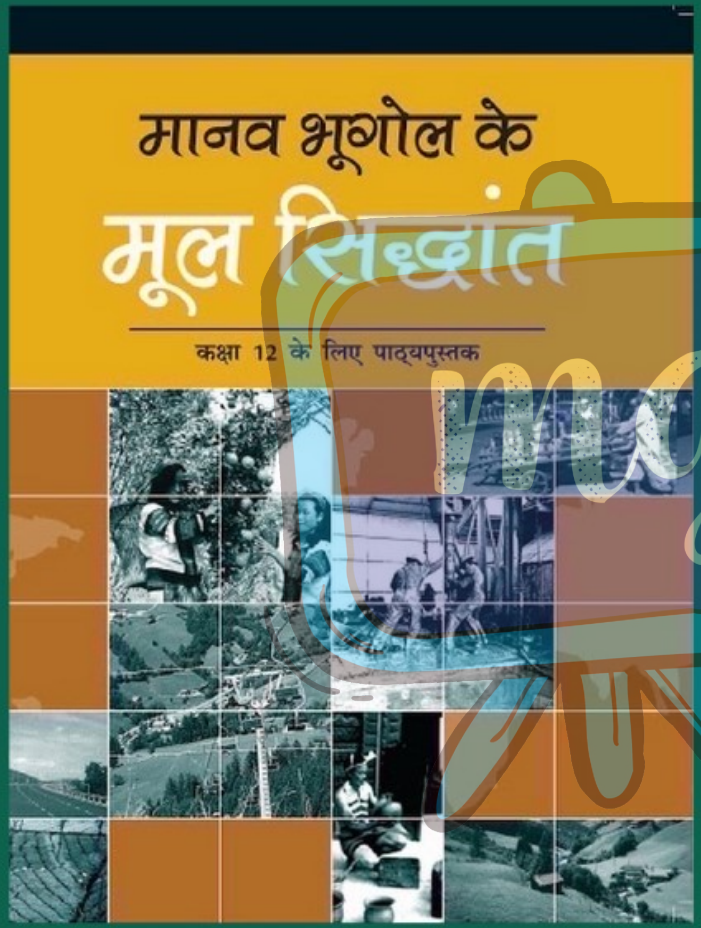
परिवहन एवं संचार

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1–6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7–12
अध्याय 3
मानव विकास 13–20

इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21–34
अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35–43
अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44–52
अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53–69
अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70–77

परिशिष्ट 78–80
शब्दावली 81–84

© NCERT not to be republished

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग कौनसा है?

(a) NH-11

(b) NH-22

(c) NH-33

(d) NH-44



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- NH-44 किन दो नगरों को जोड़ता है ?

(a) मुम्बई और गोवा

(b) जैसलमेर और जयपुर

(c) वाराणसी और शिलांग

(d) श्रीनगर और कन्याकुमारी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

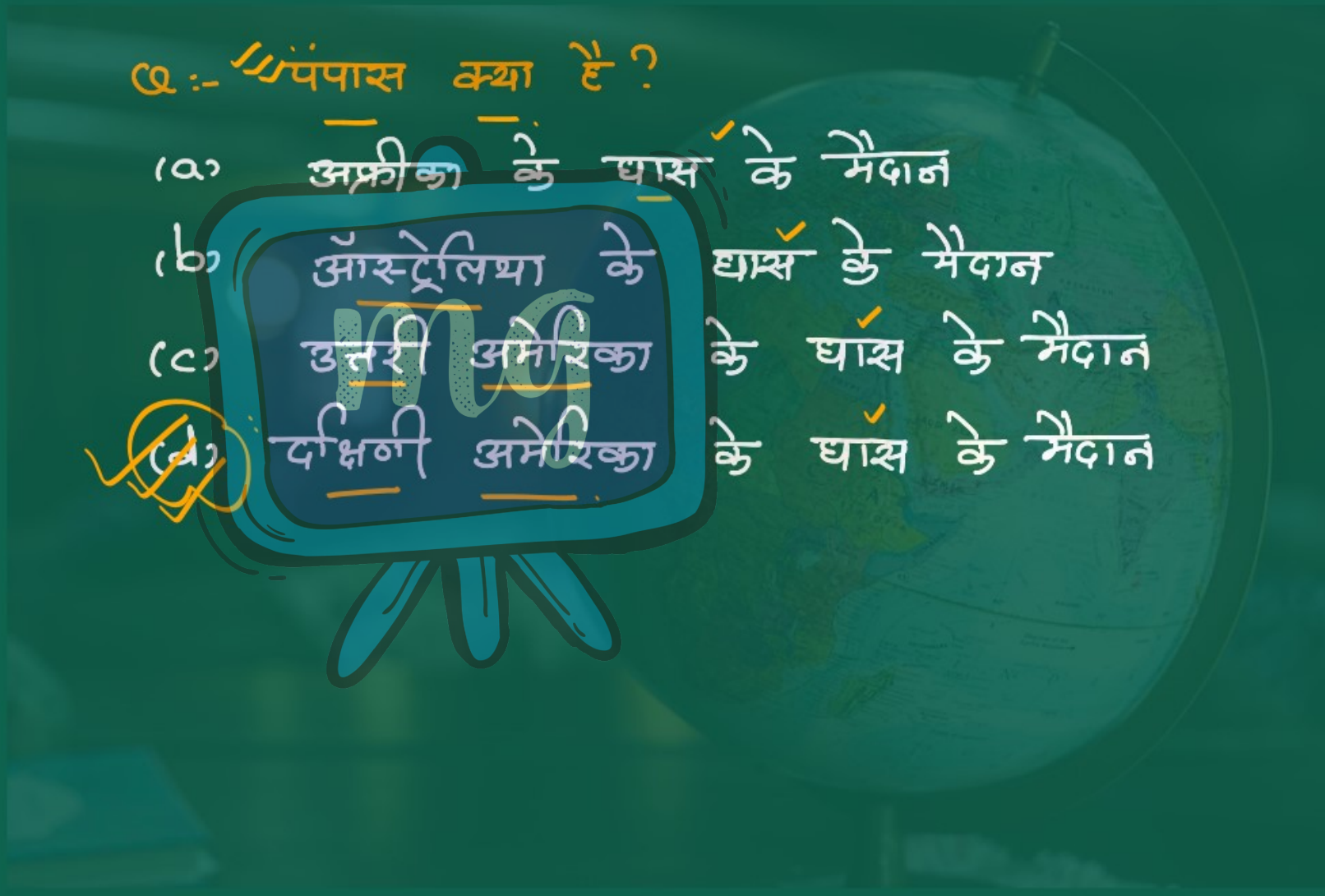
Q:- 'स्वर्णिम चतुर्भुज' निम्न में से किन महानगरों से होकर गुजरता है?

(a) दिल्ली
(b) मुंबई
(c) चेन्नई
(d) कोलकाता
(e) उपर्युक्त सभी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



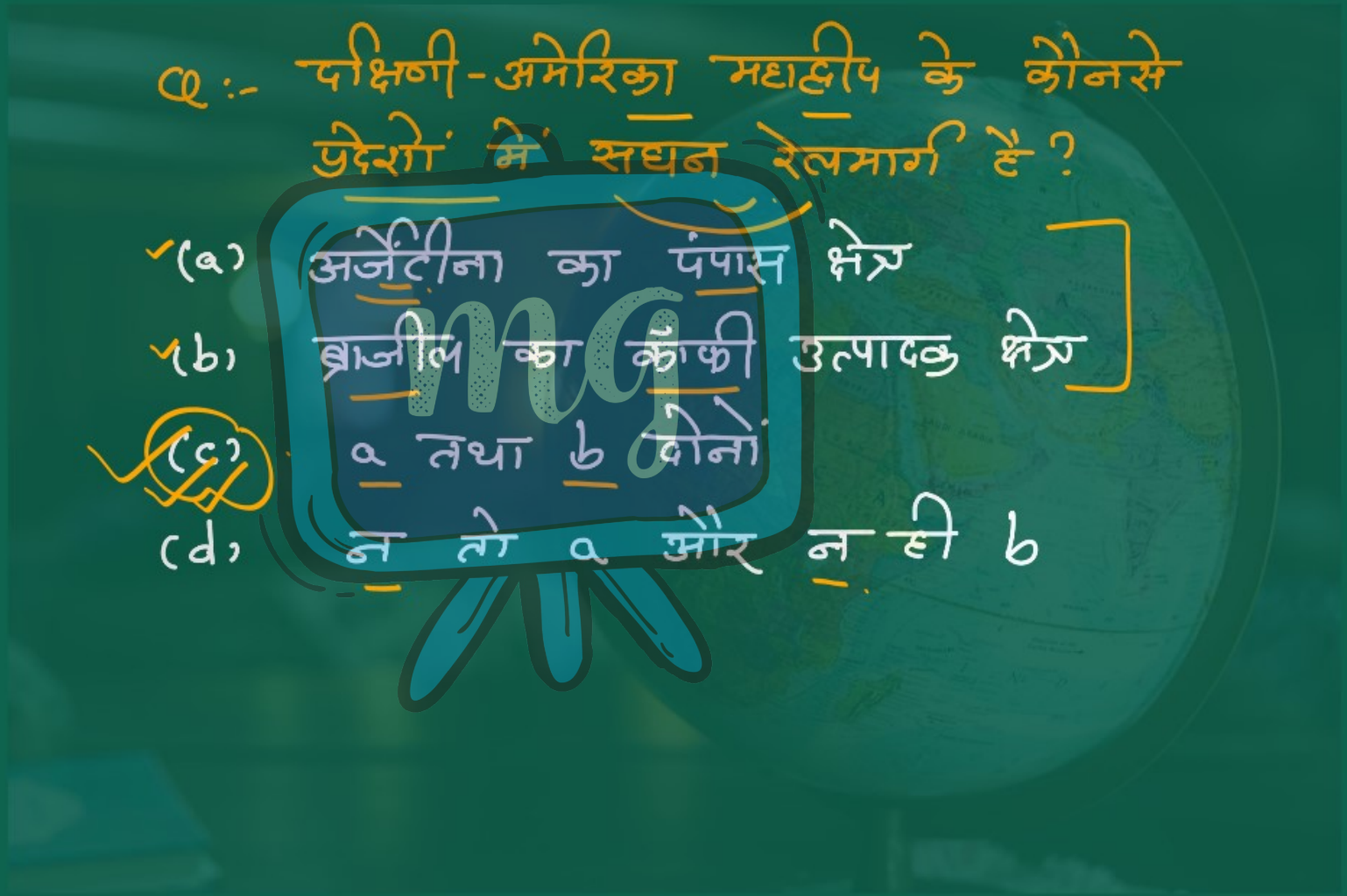
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग है :-

(a) पार - कैनेडियन रेलमार्ग

(b) आस्ट्रेलियार्ड पार - महाद्वीपीय रेलमार्ग

(c) पार - सारबेरियन रेलमार्ग 9322 m.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं.

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- पार सारबेरियन रेलमार्ग की लम्बाई है :-

(a) 8411 किमी.

(b) 7833 किमी.

(c) 9322 किमी.

(d) 10,044 किमी.

9322 m.

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन एवं संचार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्थल परिवहन









स्थल परिवहन के अंतर्गत नवीनतम विकास के रूप में पाइपलाइनों, राजमार्गों एवं तारमार्गों को रखा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

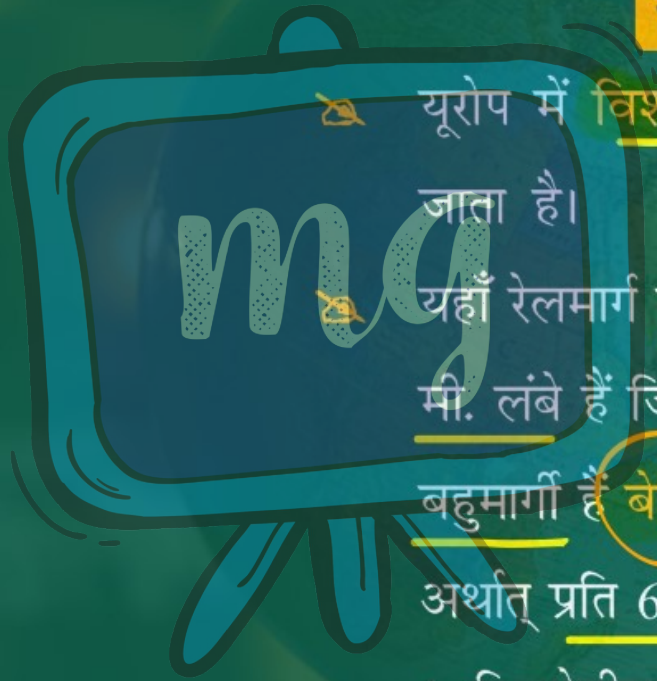
रेलमार्ग

- रेलमार्ग लंबी दूरी तक स्थूल वस्तुओं और यात्रियों के स्थल परिवहन की विद्या है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



यूरोप में रेलमार्ग

- यूरोप में विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है।
- यहाँ रेलमार्ग लगभग 4 लाख 40 हज़ार कि. मी. लंबे हैं जिनमें से अधिकांश दोहरे अथवा बहुमार्गी हैं बेल्जियम में रेल घनत्व सर्वाधिक अर्थात् प्रति 6.5 वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर लगभग 1 किलोमीटर पाया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तरी अमेरिका रेलमार्ग

- उत्तरी अमेरिका में सर्वाधिक विस्तृत रेलमार्ग तंत्र हैं, जो विश्व के कुल रेलमार्गों का लगभग 40 प्रतिशत हैं।
- सर्वाधिक सघन रेलतंत्र पूर्वी मध्य सं. रा. अमेरिका तथा उससे संलग्न कनाडा के उच्च औद्योगिक एवं नगरीय प्रदेश में पाया जाता है।
- कनाडा में रेलमार्ग सार्वजनिक सेक्टर में हैं, और पूरे विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में वितरित हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिणी अमेरिका के रेलमार्ग

- दक्षिणी अमेरिका में रेलमार्ग दो प्रदेशों में सघन है।
- अर्जेंटाइना के पंपास तथा ब्राजील के कॉफी उत्पादक प्रदेश।
- दक्षिणी अमेरिका के शेष देशों में केवल चिली एक मात्र ऐसा देश है जहाँ महत्त्वपूर्ण लंबाई के रेलमार्ग है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आस्ट्रेलिया के रेलमार्ग

- आस्ट्रेलिया में लगभग 40,000 कि.मी. लंबे रेलमार्ग हैं, जिसका 25 प्रतिशत अकेले न्यू साउथ वेल्स में पाया जाता है।
- पश्चिमी-पूर्वी आस्ट्रेलिया राष्ट्रीय रेलमार्ग पर्थ से सिडनी तक एक छोर से दूसरे छोर तक जाती है।
- न्यूजीलैंड में रेलमार्ग मुख्यतः उत्तरी द्वीप में पाए जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

एशिया

एशिया में जापान, चीन और भारत के सघन बसे हुए क्षेत्रों में रेलमार्गों का सघनतम घनत्व पाया जाता है।

अन्य देशों में अपेक्षाकृत कम रेलमार्ग बने हैं। विस्तृत मरुस्थलों और विरल जनसंख्या के प्रदेशों के कारण रेल सुविधाओं का न्यूनतम विकास हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

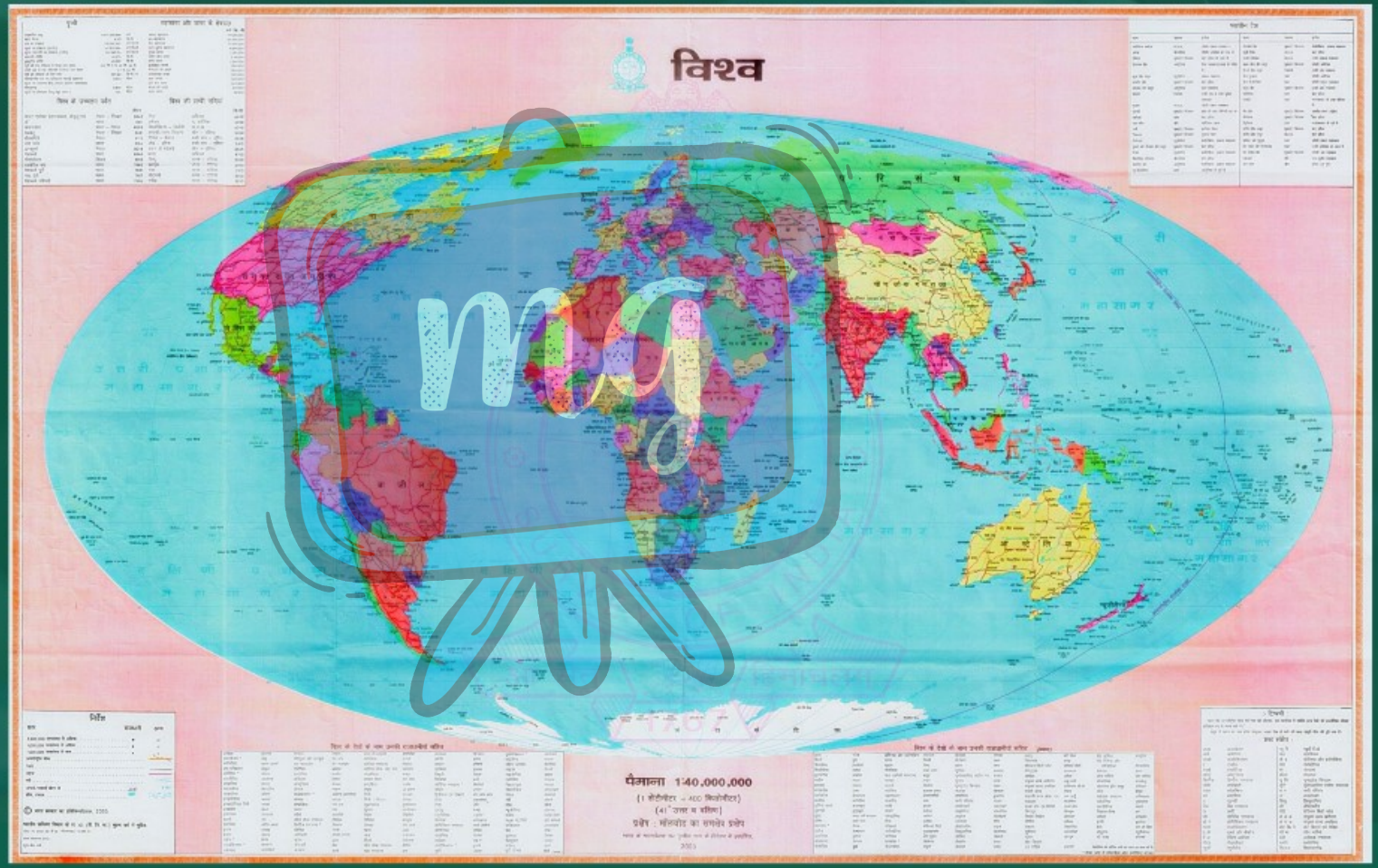
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अफ्रीका

दूसरा विशालतम महाद्वीप होने के बावजूद अफ्रीका में केवल 40,000 कि.मी. लंबे रेलमार्ग हैं जिनमें से सोने, हीरे के सांद्रण और ताँबा-खनन क्रियाकलापों के कारण अकेले दक्षिण अफ्रीका में 18,000 कि.मी. लंबे रेलमार्ग हैं।

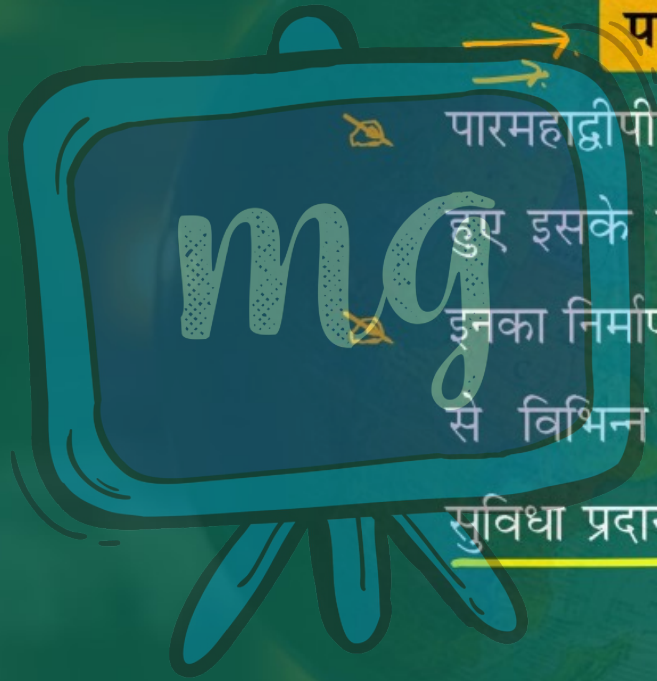
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग

पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग पूरे महाद्वीप से गुज़रते हुए इसके दोनों छोरों को जोड़ते हैं।

इनका निर्माण आर्थिक और राजनीतिक कारणों से विभिन्न दिशाओं में लंबी यात्राओं की सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पार-साइबेरियन रेलमार्ग

- रूस का यह प्रमुख रेलमार्ग (पश्चिम में) सेंट पीटर्सबर्ग से (पूर्व में) प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक तक मास्को, कज़ान, ट्यूमिन, चिता और ख़बरोवस्क से होता हुआ जाता है।
- यह एशिया का सबसे महत्त्वपूर्ण और विश्व का सर्वाधिक लम्बा (9,322 कि.मी.) दोहरे पथ से युक्त विद्युतीकृत पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2 पार-कैनेडियन रेलमार्ग

कनाडा की यह 7,050 कि.मी. लंबी रेल लाइन पूर्व में हैलिफैक्स से आरंभ होकर (मॉंट्रियल, ओटावा, विनिपेग और कलगैरी) से होती हुई पश्चिम में प्रशांत तट पर स्थित वैंकूवर तक जाती है।

इसका निर्माण 1886 में मूलरूप से एक संधि के अंतर्गत पश्चिमी तट पर स्थित ब्रिटिश कोलंबिया को राज्यों के संघ में सम्मिलित करने के उद्देश्य से किया गया था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संघ और प्रशांत रेलमार्ग

यह रेललाइन अटलांटिक तट पर स्थित न्यूयार्क को क्लीवलैंड, शिकागो, ओमाहा, इवांस और सैक्रामेंटो से होती हुई प्रशांत तट पर स्थित सान फ्रांसिस्को से मिलाती है।

इस मार्ग द्वारा किए जाने वाले सर्वाधिक मूल्यवान निर्यात अयस्क, अनाज, कागज़, रसायन और मशीनरी हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग

यह रेल लाइन पश्चिमी तट पर पर्थ से आरंभ होकर कलगुर्ली, ब्रोकन हिल और पोर्ट ऑगस्ता से होकर पूर्वी तट पर स्थित सिडनी को मिलाते हुए महाद्वीप के दक्षिणी भाग के आर-पार पश्चिम से पूर्व को जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ओरिएंट एक्सप्रेस

- यह लाइन पेरिस से म्युनिख, विएना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड होती हुई इस्तांबूल तक जाती है।
- इस एक्सप्रेस लाइन द्वारा लंदन से इस्तांबूल तक लगने वाला यात्रा का समय समुद्री मार्ग से लगने वाले 10 दिनों की तुलना में मात्र 96 घंटे रह गया है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

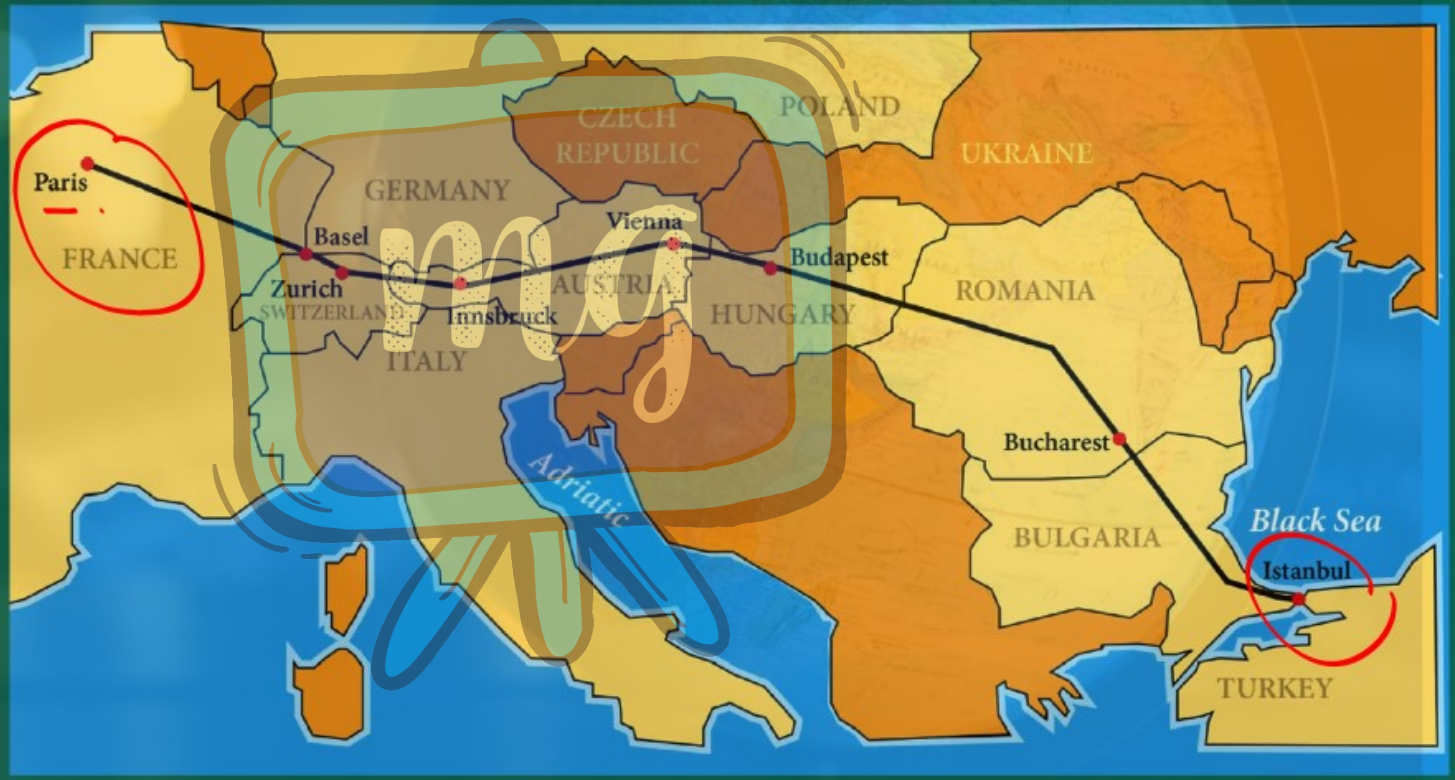
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- इस रेलमार्ग द्वारा होने वाले प्रमुख निर्यात पनीर, सुअर का मांस, जई, शराब, फल और मशीनरी हैं।
- इस्तांबूल को बैंकाक, वाया ईरान, पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश और म्यांमार से जोड़ने वाली एशियाई रेलवे के भी निर्माण का प्रस्ताव है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

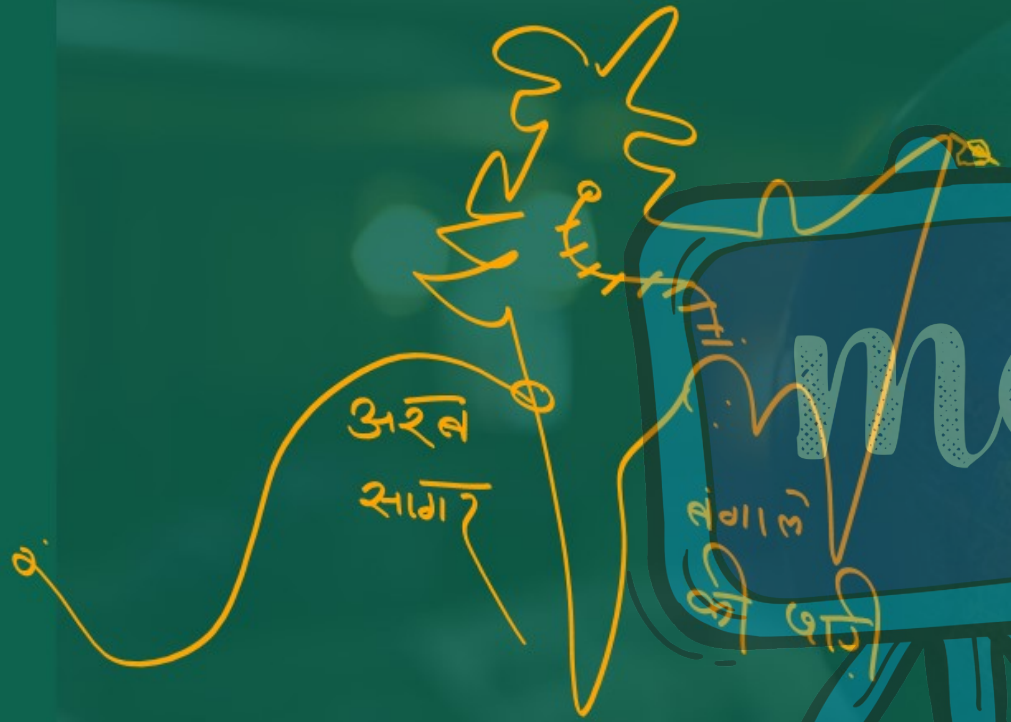
mg

जल परिवहन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



यह परिवहन बहुत सस्ता पड़ता है क्योंकि जल का घर्षण स्थल की अपेक्षा बहुत कम होता है। जल परिवहन की ऊर्जा लागत की अपेक्षाकृत कम होती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

समुद्री मार्ग

- महासागर सभी दिशाओं में मुड़ सकने वाले ऐसे महामार्ग प्रस्तुत करते हैं जिनकी कोई रख-रखाव की लागत नहीं होती।
- एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक स्थूल पदार्थों का लंबी दूरियों तक समुद्री परिवहन स्थल और वायु परिवहन की अपेक्षा सस्ता पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





आधुनिक यात्री जहाज़ और मालवाहक पोत राडार, बेतार के तार व अन्य नौपरिवहन संबंधी सुविधाओं से लैस होते हैं। कंटेनरों के प्रयोग ने विश्व की प्रमुख पत्तनों पर नौभार के निपटान को सरल बना दिया है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्ग



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

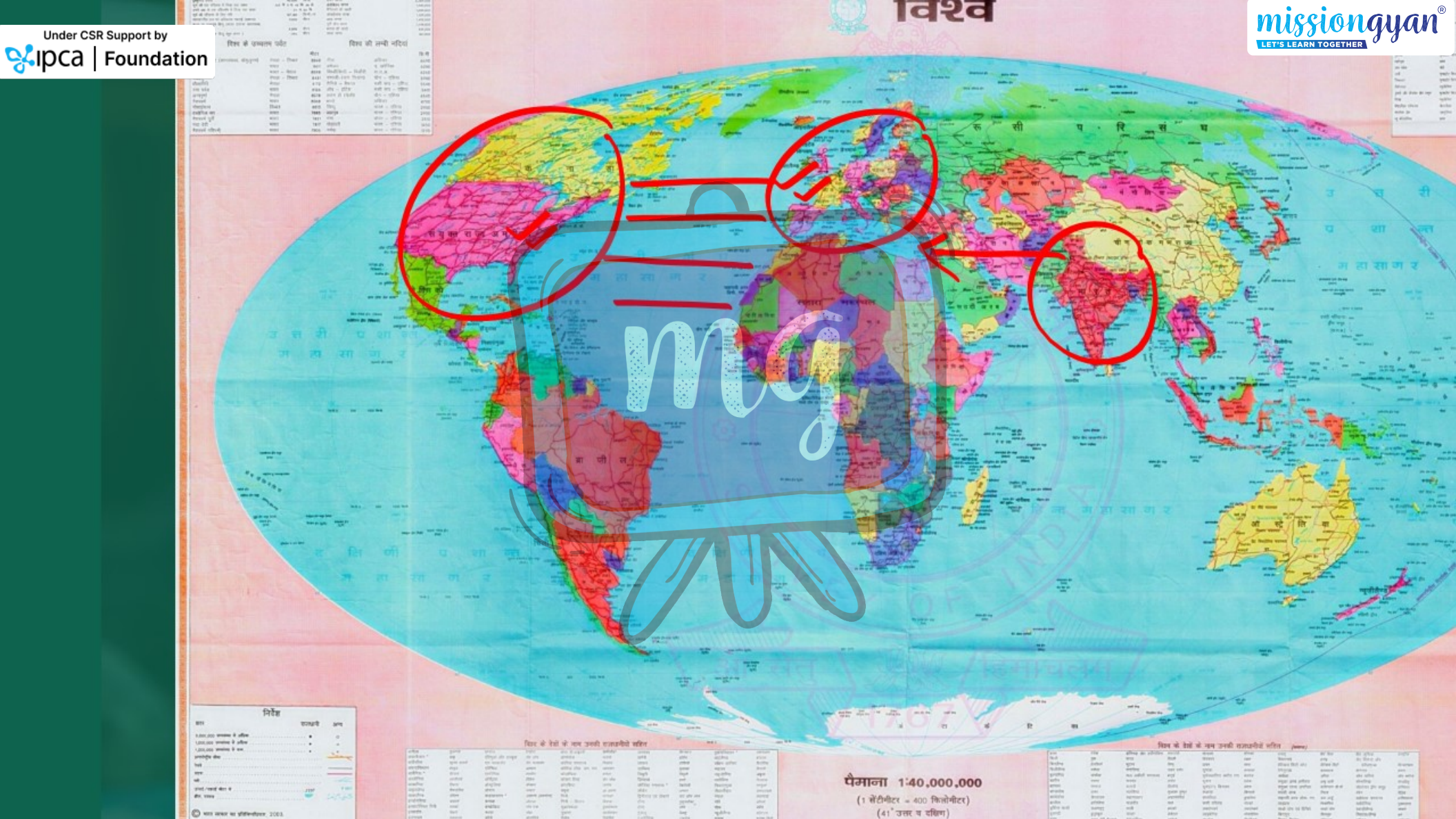
महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्ग

उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग

यह मार्ग औद्योगिक दृष्टि से विकसित विश्व के दो प्रदेशों उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप को मिलाता है। विश्व का एक चौथाई विदेशी व्यापार इस मार्ग द्वारा परिवहित होता है। इसलिए यह विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग है; दूसरे अर्थों में इसे 'वृहद् ट्रंक मार्ग' कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भूमध्यसागर–हिंदमहासागरीय समुद्री मार्ग

- यह समुद्री मार्ग प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्रों से गुज़रता है और किसी भी अन्य मार्ग की अपेक्षा अधिक देशों और लोगों को सेवाएँ प्रदान करता है।
- पोर्ट सईद, अदन, मुंबई, कोलंबो और सिंगापुर इस मार्ग की महत्त्वपूर्ण पत्तनों में से कुछ हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

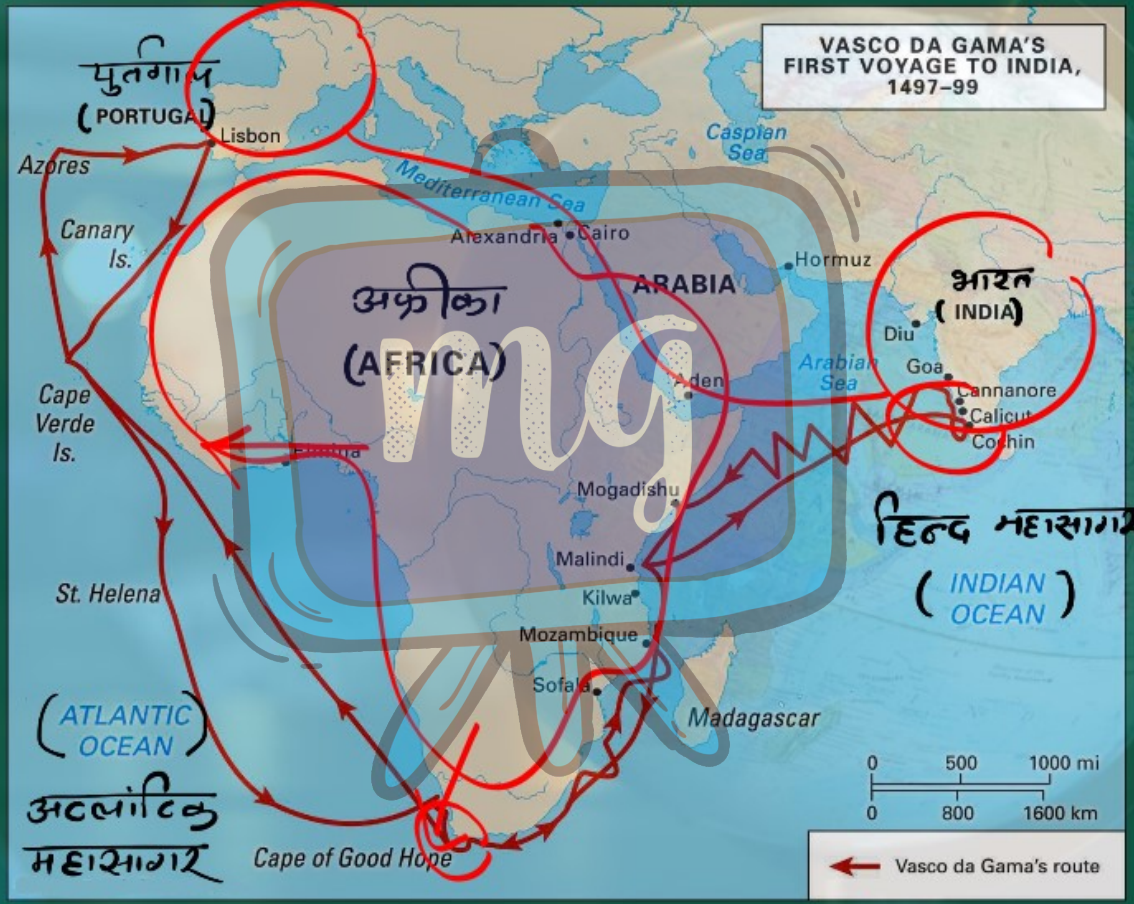
(Cape of Good Hope Sea Route)

③ उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग

- यह व्यापारिक मार्ग अत्यधिक औद्योगिक पश्चिम यूरोपीय प्रदेश को पश्चिमी अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण-पूर्वी एशिया और आस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की वाणिज्यिक कृषि तथा पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ता है।

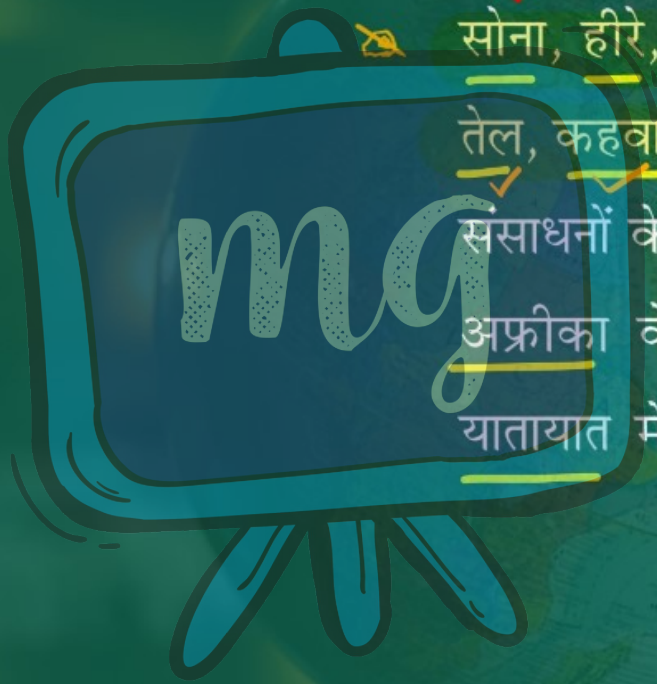
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



सोना, हीरे, ताँबा, टिन, मूँगफली, गिरी का तेल, कहवा और फलों जैसे समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के कारण दोनों पूर्वी और पश्चिमी अफ्रीका के बीच व्यापार की मात्रा और यातायात में वृद्धि हो रही है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

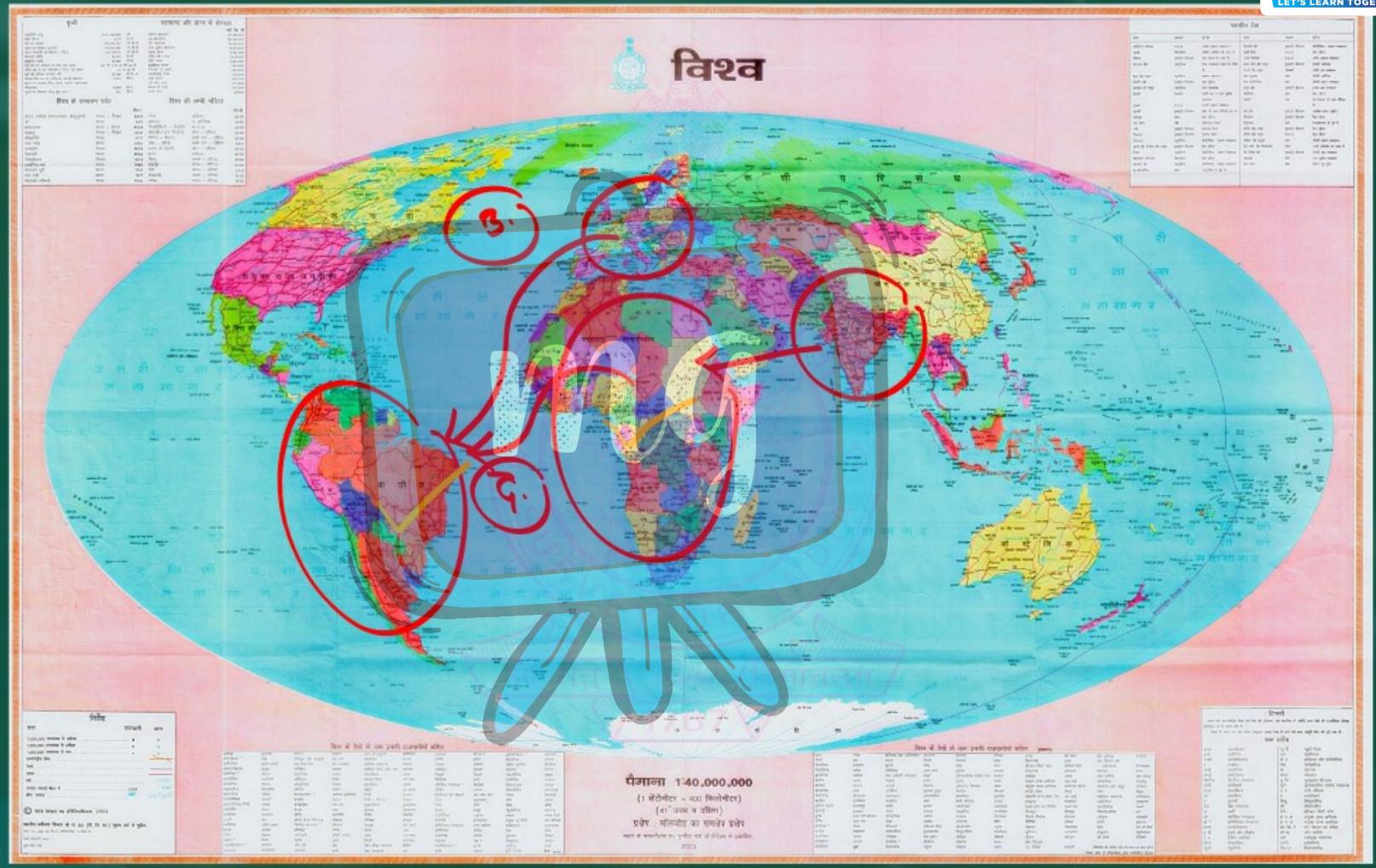
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग

- अटलांटिक महासागर के पार यह एक अन्य महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जो पश्चिमी यूरोपीय और पश्चिमी अफ्रीकी देशों को दक्षिण अमेरिका में ब्राजील, अर्जेंटीना और उरुग्वे से मिलाता है।
- इस मार्ग पर यातायात उत्तरी अटलांटिक मार्ग की तुलना में दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के सीमित विकास और कम जनसंख्या के कारण बहुत कम है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- केवल दक्षिण-पूर्वी ब्राज़ील, प्लाटा ज्वारनदमुख और दक्षिण अफ्रीका के कुछ भागों में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण हुआ है।
- रायो-डि-जैनिरो और केपटाउन के बीच मार्ग पर भी यातायात बहुत कम है क्योंकि दोनों दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में एक जैसे उत्पाद और संसाधन हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

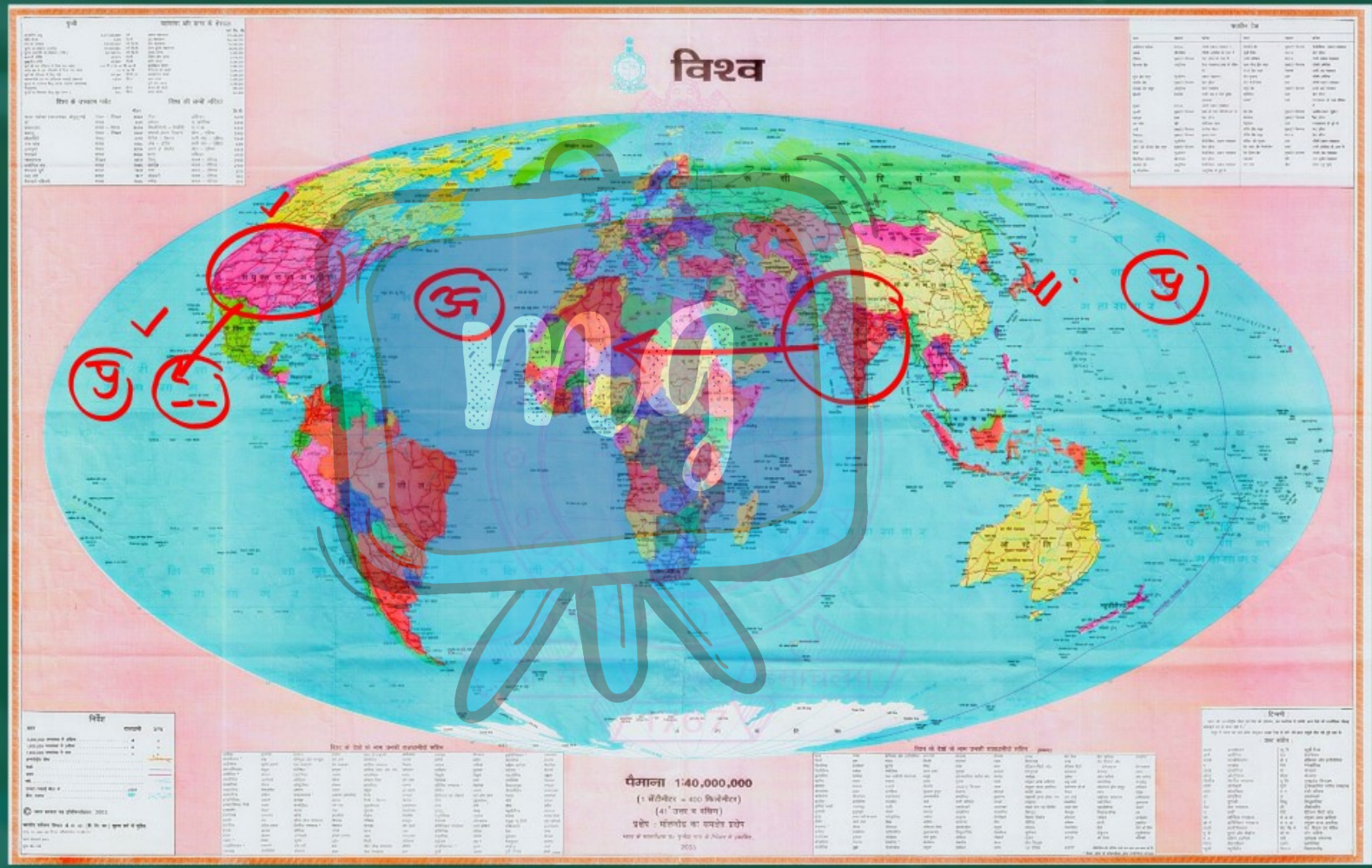
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग

- विस्तृत उत्तरी प्रशांत महासागर के आर-पार व्यापार अनेक मार्गों द्वारा संचालित होता है जो होनोलूलू में मिलते हैं।
- वृहत् वृत पर स्थित सीधा मार्ग वैंकूवर और याकोहामा को जोड़ता है और यात्रा की दूरी को कम करके (2,480 कि.मी.) आधा कर देता है।

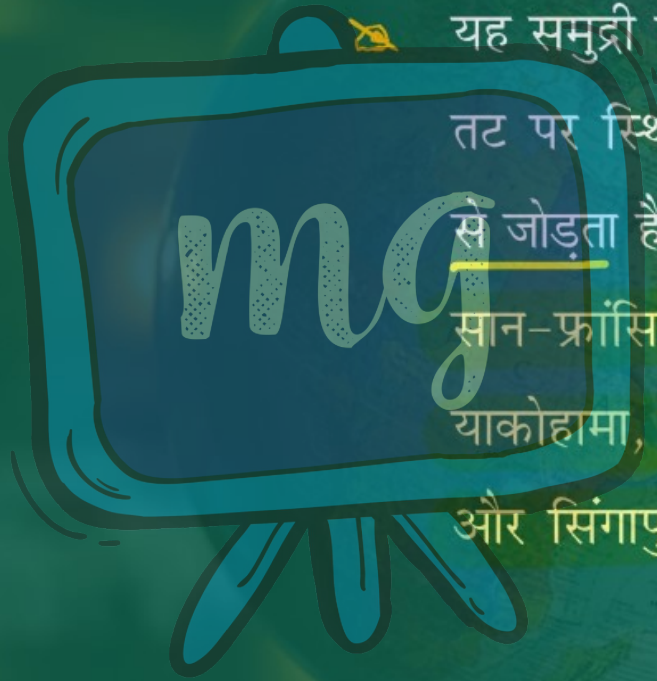
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



यह समुद्री मार्ग उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित पत्तनों को एशिया के पत्तनों से जोड़ता है, ये हैं वैंकूवर, सीएटल, पोर्टलैंड, सान-फ्रांसिस्को (अमेरिका की ओर) और याकोहामा, कोबे, शंघाई, हांग-कांग, मनीला और सिंगापुर (एशिया की ओर)।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

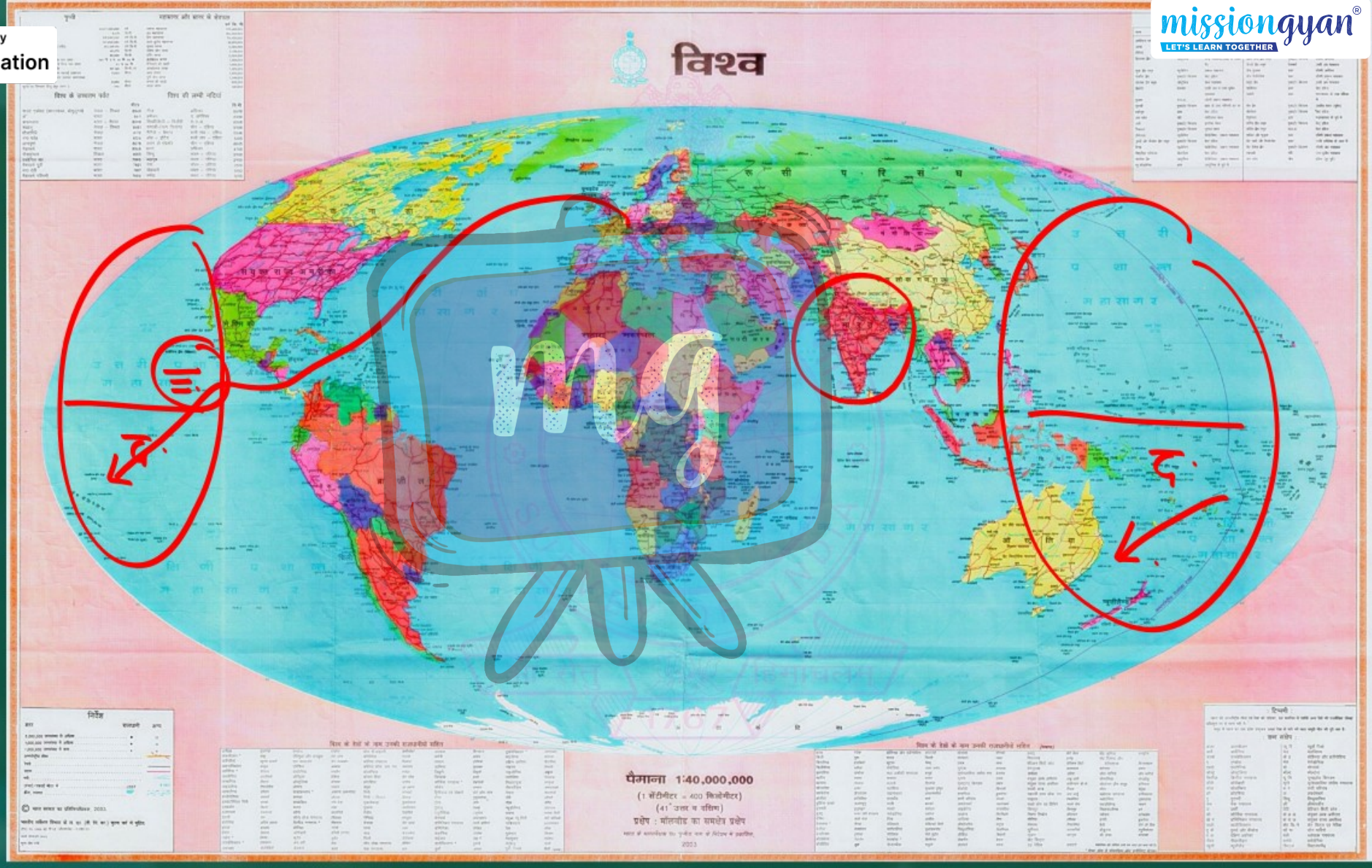
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिणी प्रशांत समुद्री मार्ग

- यह समुद्री मार्ग पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका को आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पनामा नहर से होते हुए प्रशांत महासागर के द्वीपों से मिलता है।
- इस मार्ग का प्रयोग हांगकांग, फ़िलीपींस और इंडोनेशिया पहुँचने के लिए किया जाता है।
- होनोलूलू इस मार्ग पर महत्त्वपूर्ण पत्तन है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



तटीय नौ परिवहन

- तटवर्ती नौ परिवहन लंबी तटरेखा वाले देशों के लिए एक सुगम विधि है उदाहरणार्थ संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और भारत।
- यूरोप में शेनगेन देशों की स्थिति तटीय नौ परिवहन की दृष्टि से उपयुक्त है, जो एक सदस्य देश के तट को दूसरे सदस्य देश के तट से जोड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नौ परिवहन नहरें - स्वेज नहर





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- इस नहर का निर्माण 1869 में (मिस्र में उत्तर में पोर्टसईद एवं दक्षिण में स्थित पोर्ट स्वेज (स्वेज पत्तन) के मध्य) भूमध्य सागर एवं लाल सागर को जोड़ने हेतु किया गया।
- यह यूरोप को हिंद महासागर में एक नवीन प्रवेश मार्ग प्रदान करता है तथा लिवरपूल एवं कोलंबो के बीच प्रत्यक्ष समुद्री मार्ग की दूरी को (उत्तमाशा अंतरीप मार्ग की तुलना में) घटाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

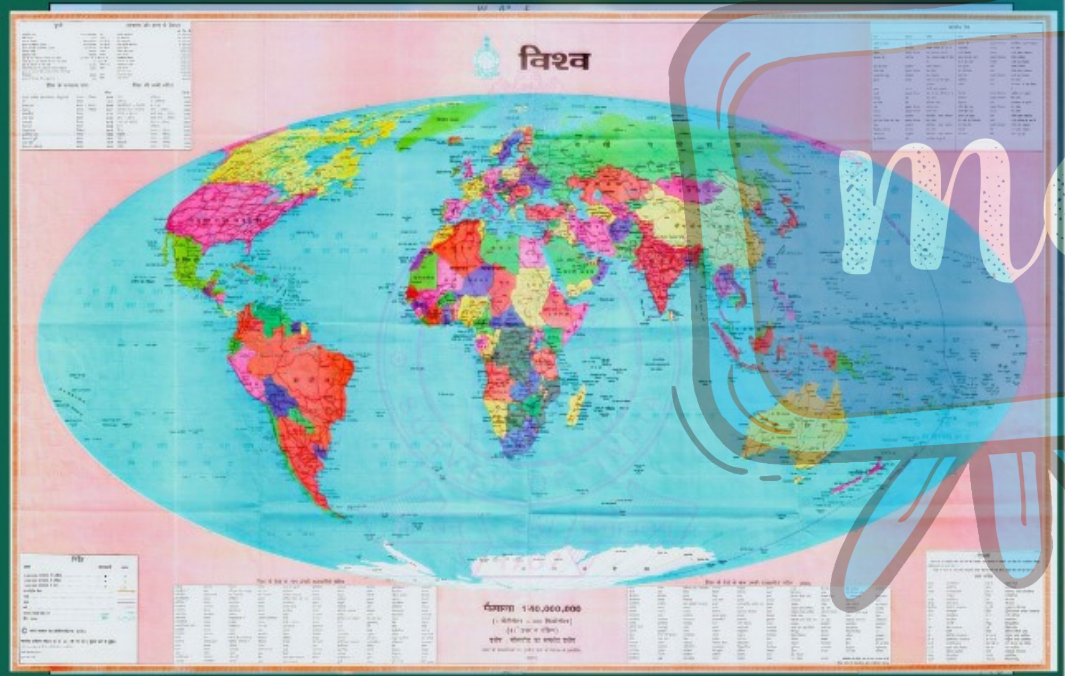
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

यह जलबंधकों से रहित समुद्र सतह के बराबर नहर है, जो यह लगभग 160 कि. मी. लंबी तथा 11 से 15 मीटर गहरी है। इस नहर में प्रतिदिन लगभग 100 जलयान आवागमन करते हैं तथा उन्हें इस नहर को पार करने में 10-12 घंटे का समय लगता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पनामा नहर





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



पनामा नहर

यह नहर (पूर्व में) अटलांटिक महासागर को (पश्चिम में) प्रशांत महासागर से जोड़ती है। इसका निर्माण (पनामा जलडमरू मध्य के आर-पार पनामा नगर एवं कोलोन के बीच) संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा किया गया, जिसने दोनों ही ओर के 8 कि.मी. क्षेत्र को खरीद कर इसे नहर मंडल का नाम दिया है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

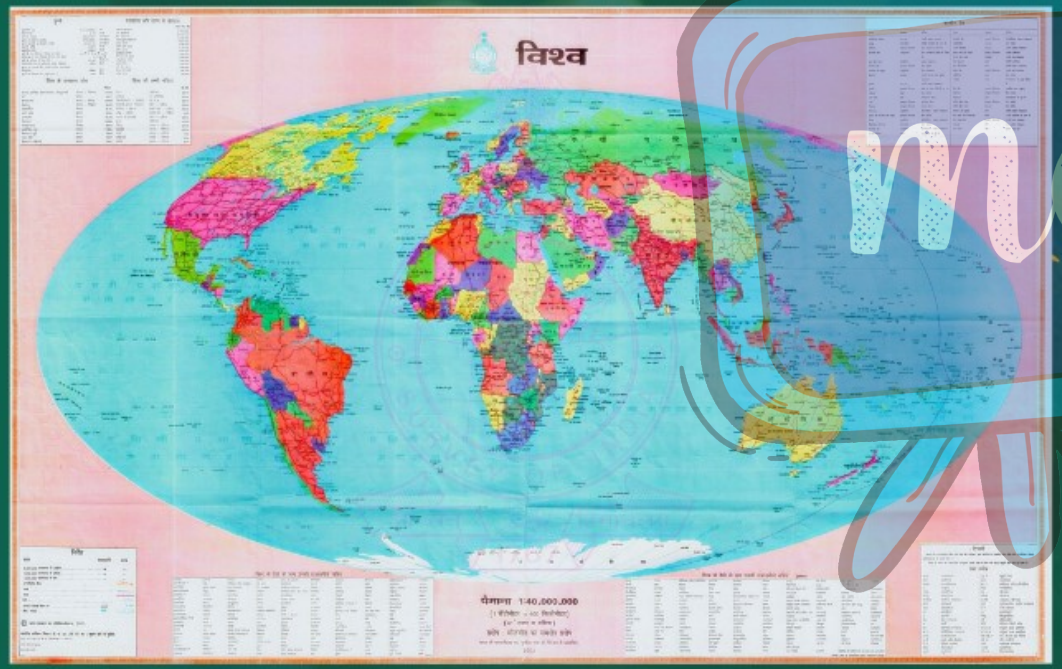
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नहर लगभग 72 कि.मी. लंबी है जो लगभग 12 कि.मी. लंबी अत्यधिक गहरी कटान से युक्त है।

इस नहर में कुल छः जलबंधक तंत्र हैं तथा जलयान पनामा की खाड़ी में प्रवेश करने से पहले इन जलबंधकों से होकर विभिन्न ऊँचाई की समुद्री सतह (26 मीटर ऊपर एवं नीचे) को पार करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



इस नहर के द्वारा (समुद्री मार्ग से) न्यूयार्क एवं सैनफ्रांसिस्को के मध्य लगभग 13,000 कि. मी. की दूरी कम हो गई है।

इसी प्रकार पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट; उत्तर-पूर्वी और मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका और पूर्वी तथा दक्षिणी-पूर्वी एशिया के मध्य की दूरी भी कम हो गई है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निकारागुआ नहर

